दैनिक भारत कि
# तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-२ ला | अंक-९१ वा | मंगळवार ३ फ़रवरी २०२६ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

# 'पक्ष चलाते समय अजित दादा को सहयोगियों से मदद नहीं मिली'

## एनसीपी विलय की चर्चा की टाइमलाइन और कारण सामने

## नवंबर २०२४ में ही विलय की चर्चा शुरू; मोदी-शाह का भी ग्रीन सिग्नल

**मुंबई: एक तरफ अजित पवार की राष्ट्रवादी के नेता विलय की चर्चा का दावा खारिज कर रहे हैं, वहीं इससे जुड़ी बड़ी जानकारी सामने आई है। राष्ट्रवादी के विलय के लिए केंद्र से प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने ग्रीन सिग्नल दिया था, ऐसी जानकारी विश्वसनीय सूत्रों ने दी है। इसके बाद अजित दादा ने शरद पवार गुट के साथ नवंबर २०२४ से चर्चा शुरू की। साथ ही, पक्ष चलाते समय अजित पवार को उनके सहयोगियों से ज्यादा मदद नहीं मिल रही थी, ऐसी जानकारी सूत्रों ने दी।**

राष्ट्रवादी के नेता और राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का २८ जनवरी को विमान दुर्घटना में निधन हो गया। इसके बाद उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। एक तरफ शरद पवार गुट के नेता दावा कर रहे हैं कि अजित दादा विलय के लिए आग्रही थे और चर्चाएं हुई थीं, वहीं अजित पवार की राष्ट्रवादी के प्रमुख नेता ऐसा कुछ नहीं होने का कह रहे हैं।

पक्ष एक होने की चर्चा कब-कब और क्या हुई?

नागपुर अधिवेशन में नवंबर २०२४ में विलय की चर्चा शुरू हुई।

जयंत पाटील और अजित पवार के बीच उसके बाद कई बैठकें हुईं।

देवेंद्र फडणवीस को इस बारे में बताया गया तो उन्होंने कहा कि केंद्र के नेताओं से बात करनी पड़ेगी।

५ अक्टूबर २०२५: अजित पवार ने अहिल्यानगर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से चर्चा की। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करके बताते हैं।

१४ नवंबर २०२४: प्रधानमंत्री मोदी से राष्ट्रवादी के विलय के लिए ग्रीन सिग्नल मिला और मुख्यमंत्री से बात करने का संदेश दिया।

देवेंद्र फडणवीस को ऊपर से ग्रीन सिग्नल मिला, लेकिन उन्होंने संघ और पार्टी के अन्य नेताओं से चर्चा करके बताने को कहा।

उसके बाद देवेंद्र फडणवीस ने ग्रीन सिग्नल दिया, लेकिन महानगरपालिका चुनाव के बाद विलय की घोषणा करने को कहा। उसके बाद १६ जनवरी को बैठक हुई।

१६ जनवरी २०२६: अजित पवार, रोहित पवार, हर्षवर्धन पाटील, अमोल कोल्हे, सुप्रिया सुले, जयंत पाटील के बीच बैठक हुई। इसमें सभी ने अपनी शंकाएं रखीं।

१६ जनवरी २०२६: प्रेम कोर्ट में अजित पवार, सुनील तटकरे और सुप्रिया सुले के बीच विलय संबंधी बैठक हुई।

१७ जनवरी २०२६: शरद पवार को विलय के बारे में बताया गया। उसके बाद जिला परिषद चुनाव घड़ी चिह्न पर लड़ने का फैसला हुआ। पुणे जिला परिषद चुनाव घड़ी चिह्न पर लड़ने का निर्णय हुआ।

इस चुनाव प्रचार की जिम्मेदारी अजित पवार ने अमोल कोल्हे को सौंपी थी।

अजित पवार विलय क्यों करना चाहते थे?

अजित पवार काका शरद पवार को छोड़ने के दाग को मिटाना चाहते थे।

▶▶पान ४ पे

## गेवराई में आग लगने से चार दुकान जलकर खाक

### तीस लाख रुपये का नुकसान

गेवराई, दि. २ (प्रतिनिधि): शहर के ताकडगांव रोड पर न्यू हाईस्कूल के सामने स्थित चार दुकानें (दि. १) की मध्यरात्रि अचानक लगी आग में पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। इस भीषण आगजनी में अनुमानित २५ से ३० लाख रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। मौके पर पहुंची अग्निशमन दल की टीम ने करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

(दि. १) रात लगभग १२.३० से १ बजे के बीच सबसे पहले एक दुकान से धुआं और लपटें उठती दिखाई दीं। कुछ ही पलों में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पास की अन्य दुकानों में भी फैल गई। इस आग में सुंदर काले के स्वामित्व वाली 'संविधान किराणा', 'समाधान एम्पोरियम' और 'साई प्रेम जेंट्स पार्लर'-ये तीन दुकानें पूरी तरह जल गईं। वहीं, सुरेश कानगुड़े की 'ऋतुका साइकिल मार्ट' भी आग की चपेट में आ गई।

चारों दुकानों में रखा सारा सामान, माल, फर्नीचर, विद्युत उपकरण, कपड़े और किराना सामग्री पूरी तरह नष्ट हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही नागरिकों ने तुरंत अग्निशमन दल और पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची दमकल गाड़ियों और कर्मियों के प्रयासों से करीब दो घंटे में आग पर नियंत्रण पाया गया।

सौभाग्यवश यह घटना मध्यरात्रि में होने के कारण किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन दुकानदारों को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा है। प्राथमिक अनुमान के अनुसार आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस द्वारा मामले की आगे की जांच जारी है।

इस घटना से आसपास के क्षेत्र में व्यापारी वर्ग में भय का माहौल बन गया है और प्रभावित दुकानदारों के सामने आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। नागरिकों और व्यापारियों ने शासन व प्रशासन से तत्काल पंचनामा कर मुआवजा सहायता प्रदान करने की मांग की है। साथ ही, भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचाव के लिए विद्युत प्रणालियों की नियमित जांच की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया है।

## अंबाजोगाई में रिश्वतखोर सहकार अधिकारी पर एसीबी की बड़ी कार्रवाई

### २५ हजार रुपये लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार

अंबाजोगाई (प्रतिनिधि): सहकार क्षेत्र में भ्रष्टाचार पर लगाम कसते हुए लाचलुचपत प्रतिबंधक विभाग (एसीबी) ने बीड जिले में बड़ी कार्रवाई की है। अंबाजोगाई स्थित सहायक निबंधक कार्यालय में कार्यरत सहकार अधिकारी (वर्ग-३) संतोष भंडारी को २५ हजार रुपये की रिश्वत स्वीकार करते हुए रंगेहाथ पकड़ा गया है। जालना एसीबी टीम ने सोमवार शाम करीब ५ बजे यह जाल बिछाया।

शिकायतकर्ता एक पतसंस्था में सचिव के पद पर कार्यरत हैं, जिनके खिलाफ निबंधक कार्यालय में कुछ शिकायतें दर्ज थीं। इन शिकायतों की जांच में मदद करने और अनुकूल रिपोर्ट देने के लिए आरोपी अधिकारी ने ५० हजार रुपये की मांग की थी, जो बाद में २५ हजार रुपये पर तय हुई। रिश्वत देने के बजाय शिकायतकर्ता ने एसीबी से संपर्क किया।

शिकायत की पुष्टि के बाद जालना एसीबी के उपअधीक्षक जाधवर और उनकी टीम ने कार्रवाई करते हुए भंडारी को रंगेहाथ पकड़ा। इस कार्रवाई से सहकार क्षेत्र में खलबली मच गई है। आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

## केज बस स्टैंड पर महिला की पर्स से ३.३५ लाख के गहनों की चोरी

केज (प्रतिनिधि): भाई की शादी के सिलसिले में मायके जा रही एक विवाहित महिला की पर्स से केज बस स्टैंड पर ३ लाख ३५ हजार ९८० रुपये मूल्य के सोने के गहने चोरी हो गए। यह घटना १ फरवरी को दोपहर करीब ३:४५ बजे की है।

केज की शिक्षक कॉलोनी निवासी अश्विनी गोविंद घोलवे नासिक-लातूर बस में चढ़ रही थीं, तभी अज्ञात चोरों ने उनकी पर्स की चैन खोलकर १० ग्राम की अंगूठी, भारी गले का हार, ५ ग्राम की अंगूठी, ५ ग्राम के झुमके चुरा लिए।

पीड़िता ने संदेह जताया है कि बस में चढ़ते समय उनके आसपास दो महिलाएं और एक लड़की मौजूद थीं। इस मामले में केज पुलिस थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस निरीक्षक स्वप्नील उनवणे के मार्गदर्शन में जांच जारी है। यात्रियों ने बस स्टैंड पर सुरक्षा और सीसीटीवी व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

## बीड शहर दहला: आदित्य कॉलेज में छात्र पर धारदार हथियार से हमला

### सीने पर चाकू से वार, हाथ फ्रैक्चर

बीड (प्रतिनिधि):

बीड शहर के नामांकित आदित्य कॉलेज में दो छात्रों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि चाकू से हमला हो गया। इस घटना से कॉलेज परिसर में हड़कंप मच गया और छात्रों में भय का माहौल बन गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अक्षय देशमुख नामक छात्र ने आदित्य सुनील गाडे पर धारदार हथियार से हमला किया। इस हमले में गाडे के सीने पर वार हुआ और उनका हाथ फ्रैक्चर हो गया। सौभाग्य से, उनके मित्र ने समय पर हस्तक्षेप कर उन्हें और गंभीर चोट से बचा लिया।

घायल छात्र का बीड जिला अस्पताल में इलाज जारी है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही पेठ बीड पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में ले लिया। मामले की आगे जांच जारी है। छात्रों ने कॉलेज प्रशासन से सुरक्षा के कड़े इंतजाम और दोषी पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

## परली वैजनाथ में १३ फरवरी से अखिल भारतीय पशु-पक्षी प्रदर्शनी

### राज्यभर के पशुपालकों से सहभागिता का आह्वान

बीड (प्रतिनिधि):

बीड जिले के परली वैजनाथ में १३ से १५ फरवरी २०२६ के दौरान अखिल भारतीय पशु-पक्षी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। इस प्रदर्शनी में देशभर की विभिन्न नस्लों के एक हजार से अधिक पशु और पक्षी शामिल होंगे। तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं।

प्रदर्शनी में गाय, भैंस, घोड़े, बकरियां, भेड़ें और विभिन्न पक्षियों की उन्नत नस्लें देखने को मिलेंगी। पशुपालकों को आधुनिक पशुपालन, आहार प्रबंधन और पशु स्वास्थ्य संबंधी जानकारी एक ही मंच पर मिलेगी। पशुसंवर्धन विभाग के सचिव डॉ. रामास्वामी एन. के मार्गदर्शन में आयोजन की रूपरेखा तैयार की गई है। पशुसंवर्धन आयुक्त डॉ. प्रवीणकुमार देवरे ने विश्वास जताया कि यह प्रदर्शनी पशुपालन व्यवसाय को नई दिशा देगी। अधिक से अधिक पशुपालकों से इस तीन दिवसीय प्रदर्शनी का लाभ उठाने का आह्वान किया गया है।

## पत्थर से कुचलकर ३० वर्षीय युवक की हत्या; मिसिंग दर्ज होने के कुछ घंटों बाद ही मिला शव

पाटोदा (बीड):

पाटोदा पुलिस थाना क्षेत्र के दगडवाड़ी परिसर में सोमवार (२ फरवरी २०२६) की सुबह एक ३० वर्षीय युवक की पत्थर से कुचलकर हत्या किए जाने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। मृतक ने बीती रात अपने परिजनों को फोन कर निरगुडी जाने की बात कही थी। इसके बाद उसके लापता होने पर मिसिंग की शिकायत दर्ज कराई गई थी। आज सुबह उसका शव मिलने से इलाके में दहशत का माहौल फैल गया है।

पुलिस से मिली प्राथमिक जानकारी के अनुसार मृतक का नाम शेख चांद अलाउद्दीन तांबोली (उम्र ३० वर्ष, निवासी रायमोहा) है। आज सुबह करीब ८ बजे दूध लेकर बीड की ओर जा रहे एक किसान की नजर दगडवाड़ी परिसर में पड़े खून से सने शव पर पड़ी। उसने तुरंत पाटोदा पुलिस थाने को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

घटनास्थल पर जांच के दौरान मृतक की पहचान चांद अलाउद्दीन तांबोली के रूप में

▶▶पान ४ पे

## उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

# चंपावती महोत्सव का भव्य आगाज़; चित्रकला प्रतियोगिता मे हजारों बाल कलाकारों की उत्स्फूर्त भागीदारी

## अनिल दादा जगताप ने बाल कलाकारों की विशेष सराहना की

बीड, प्रतिनिधि:

अनिल दादा जगताप फाउंडेशन, बीड एवं शिवसेना बीड के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित चंपावती महोत्सव, उपमुख्यमंत्री माननीय एकनाथजी शिंदे महाकरंडक २०२६ के अंतर्गत पहली चित्रकला प्रतियोगिता अत्यंत उत्साह और बाल कलाकारों की भारी भागीदारी के साथ संपन्न हुई। इस प्रतियोगिता में बीड जिले के गेवराई, माजलगांव, परली, अंबाजोगाई, केज, वडवणी, आष्टी, पाटोदा तथा बीड तालुका के ग्रामीण क्षेत्रों से मराठी एवं अंग्रेज़ी माध्यम की कुल १८७ स्कूलों के हजारों विद्यार्थियों ने सहभाग लिया। ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों की इतनी बड़ी भागीदारी चंपावती महोत्सव की सफलता को रेखांकित करती है।

आयु वर्ग कक्षा १ से ३ के विद्यार्थियों के लिए 'छोटा भीम' कार्टून का चित्र, कक्षा ४ से ६ के लिए 'घोड़ा' विषय पर चित्र, तथा कक्षा ७ से १० के विद्यार्थियों के लिए शिवसेनाप्रमुख हिंदुहृदयसम्राट स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे का चित्र विषय रखा गया था। विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी कृतियों के माध्यम से कल्पनाशीलता, रंग-संयोजन और कलात्मकता का सुंदर संगम प्रस्तुत किया। विशेष रूप से कक्षा ७ से १० के विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे के चित्रों में जीवंतता और भावनाओं की गहराई स्पष्ट दिखाई दी। वहीं, छोटे आयु वर्ग के विद्यार्थियों ने 'छोटा

भीम' और 'घोड़ा' के चित्रों के माध्यम से अपनी कल्पनाशक्ति का सुंदर प्रदर्शन किया।

लगातार चौथे वर्ष आयोजित हो रहे चंपावती महोत्सव की पहली ही प्रतियोगिता को मिला यह उत्स्फूर्त प्रतिसाद उल्लेखनीय रहा। इस अवसर पर शिवसेना के जिला प्रमुख अनिल दादा जगताप ने सभी स्कूल प्रबंधन, प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों और अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए बाल कलाकारों की विशेष सराहना कर उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि कल से चंपावती महोत्सव का वास्तविक अर्थों में शुभारंभ हो गया है। चित्रकला प्रतियोगिता के बाद दिनांक ३ फरवरी को प्रत्येक स्कूल में रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसमें अधिक से अधिक विद्यार्थियों से भाग लेने का आह्वान अनिल दादा जगताप फाउंडेशन के सचिव आकाश भैया जगताप तथा चंपावती महोत्सव के संस्थापक अध्यक्ष प्रतीक कांबले ने किया है। बाल कलाकारों को मंच प्रदान करने वाला, ग्रामीण क्षेत्रों की कला को आगे लाने वाला और पूरे बीड जिले की सांस्कृतिक गतिविधियों का मानबिंदु बना चंपावती महोत्सव एक बार फिर जिले में कला, संस्कार और सृजनशीलता का केंद्र बनता हुआ दिखाई दे रहा है।

चंपावती महोत्सव, उपमुख्यमंत्री एकनाथजी शिंदे महाकरंडक की पहली चित्रकला प्रतियोगिता में कक्षा ७ से १० के विद्यार्थियों ने शिवसेनाप्रमुख हिंदुहृदयसम्राट स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे के चित्र बनाते हुए अद्भुत कौशल का परिचय दिया। विद्यार्थियों की रेखाओं, रंग-संयोजन और भावाभिव्यक्ति के कारण बालासाहेब का व्यक्तित्व मानो चित्रों में जीवंत हो उठा। आंखों में दृढ़ता, चेहरे पर आत्मविश्वास और प्रभावशाली प्रस्तुति के चलते ये चित्र सभी का ध्यान आकर्षित करते रहे। कम उम्र में ही बालासाहेब के विचारों से जुड़ाव इन चित्रों में स्पष्ट दिखाई दिया, जिस पर शिवसेना जिला प्रमुख अनिल दादा जगताप ने सभी बाल कलाकारों की विशेष सराहना की।

# महाराष्ट्र राज्य उर्दू शिक्षक संघ की ओर से आदर्श शिक्षक पुरस्कार सम्मान समारोह संपन्न

बीड (प्रतिनिधि):

जिले के गुणवंत शिक्षकों के कार्य को प्रोत्साहन देने और उनके उत्कृष्ट योगदान का सम्मान करने के उद्देश्य से महाराष्ट्र राज्य उर्दू शिक्षक संघ, बीड की ओर से शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिला परिषद एवं निजी स्कूलों के ३२ प्रतिभाशाली शिक्षकों को सम्मानित किया गया। यह 'आदर्श शिक्षक पुरस्कार' वितरण समारोह रविवार को होटल गोल्डन चॉइस, बीड में संघ के राज्य अध्यक्ष श्री एम. ए. गफ्फार की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की प्रस्तावना संघ के जिला अध्यक्ष माजेद अहमद ने रखी।

इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में ए.सी.बी. के पुलिस उपाधीक्षक

सोपान चिटपिल्ले उपस्थित थे। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों के मान्यवरों की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक एवं नागरिक शामिल हुए। संघ की चयन समिति द्वारा अनुशंसित ३२ गुणवंत शिक्षकों को मान्यवरों के हाथों पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस माध्यम से संघ ने शिक्षकों के कार्य की सराहना करते हुए उनके मनोबल को बढ़ाने का कार्य किया।

समारोह में नगर परिषद के गटनेते फारूक पटेल, गटनेते खुर्शीद आलम, एम.आई.एम. के जिला अध्यक्ष शफीक भाई, वरिष्ठ काफमेंबर मोईन मास्टर, नगरसेवक जैतुल्ला खान, पूर्व उपशिक्षण अधिकारी काज़ी माजेद, प्रोफेसर फरीद नेहरी, दैनिक किसान के संपादक अदनान खान, समाजसेवक मुकरम जान, मुश्ताक अंसारी, अधिवक्ता सर सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इसके अलावा संघ के जिला अध्यक्ष माजेद अहमद, अंसारी असरार, सचिव शेख इसराइल, कार्याध्यक्ष खान अनवर, कोषाध्यक्ष सैयद रहीम, उपाध्यक्ष पापा सर, सहसचिव शेख इरशान, शेख मोअज्जम, मोमिन अनीस, अब्दुल करीम, सैयद रिज़वान, मिर्ज़ा अजमत बेग, मोमिन खैसर, शेख कलीम, शेख वसीम, शेख इमरान, खाजा सर, सिद्दीकी सर, आरिफ सर, शाज़िया बाजी, शेख फरीदा एवं अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन खान अनवर ने किया।

# महाराष्ट्र राज्य वक्फ बोर्ड के युवा, ऊर्जावान अध्यक्ष समीर काज़ी की दूसरी बेटी का भी सगाई में ही आदर्श विवाह संपन्न

काज़ी अमान / औरंगाबाद

महाराष्ट्र राज्य वक्फ बोर्ड के युवा एवं ऊर्जावान अध्यक्ष महाराष्ट्र राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष समीर काज़ी की ज्येष्ठ पुत्री नूरलईमान का ४ जनवरी २०२६ को बीड में सगाई के साथ ही आदर्श विवाह संपन्न होने के बाद, रविवार दिनांक २ फरवरी २०२६ को छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) में उनकी कनिष्ठ पुत्री गौसिया का भी सगाई में ही आदर्श विवाह समारोह उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। यह आयोजन विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्तियों तथा समाज के सभी वर्गों की प्रमुख उपस्थिति में हुआ। इस पहल में समीर काज़ी के ज्येष्ठ भ्राता एवं महाराष्ट्र राज्य काज़ी सेवा संघ के अध्यक्ष शफी काज़ी ने अपने पिता गुलाम नबी काज़ी तथा जमीयत उलेमा-ए-हिंद के बीड जिलाध्यक्ष मौलाना जाकिर सिद्दीकी के मार्गदर्शन में अग्रणी भूमिका निभाई।

राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त महाराष्ट्र राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष समीर काज़ी के चार संतानें-दो पुत्रियां नूरलईमान व गौसिया तथा दो पुत्र तौहीद व मुबश्शिर हैं। ज्येष्ठ पुत्री नूरलईमान का विवाह ४ जनवरी २०२६ को बीड शहर के तेलगांव रोड स्थित कोहिनूर लॉन्स में माजलगांव के प्रसिद्ध उद्यमी अतीक नाइक के पुत्र फैज़ (पूर्व उपनगराध्यक्ष खुर्शीद नाइक के भतीजे) के साथ सगाई में ही संपन्न हुआ था। इसके पश्चात कनिष्ठ पुत्री गौसिया का विवाह रविवार, २ फरवरी २०२६ को छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) के बीड बायपास रोड स्थित आइकॉन सेलिब्रेशन में, शहर के प्रसिद्ध उद्यमी शकील अहमद सिद्दीकी के पुत्र तल्हा के साथ सगाई में ही संपन्न हुआ।

आरंभ में सभी का अनुमान था कि कार्यक्रम केवल सगाई तक सीमित रहेगा, किंतु उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों और परिजनों के सुझाव पर सगाई के साथ ही विवाह संपन्न करने का निर्णय लिया गया। काज़ी परिवार की सहमति मिलते ही अल्प समय में विवाह संस्कार पूर्ण किया गया। इस प्रकार समीर काज़ी, शफी काज़ी तथा उनके परिवार ने गुलाम नबी काज़ी और मौलाना जाकिर सिद्दीकी के मार्गदर्शन में दोनों पुत्रियों का सगाई में ही विवाह कर समाज के सामने एक प्रेरणादायी आदर्श प्रस्तुत किया। इस आयोजन के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि विवाह केवल दिखावे का नहीं, बल्कि दो परिवारों के पवित्र संबंध की शुरुआत है।

इस आदर्श विवाह समारोह में वर-वधू को आशीर्वाद देने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्तियों सहित समाज के सभी वर्गों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। प्रारंभ में काज़ी परिवार की ओर से गुलाम नबी काज़ी, फारूक काज़ी, शफी काज़ी, समीर काज़ी, जावेद काज़ी, सिद्दीक काज़ी, तौफीक काज़ी, तौहीद काज़ी, जुनेद काज़ी, सैफुल्ला काज़ी, मुबश्शिर काज़ी, नूरुल्ला काज़ी, सादुल्ला काज़ी सहित शकील अहमद सिद्दीकी परिवार के सदस्यों ने सभी आगंतुकों का स्वागत कर आभार व्यक्त किया। सगाई से विवाह में परिवर्तित हुए इस समारोह का उत्कृष्ट नियोजन काज़ी-संघानी ग्रुप के अतुल संघानी तथा समीर काज़ी के निजी सहायक शेख अब्दुल रहीम उर्फ बाबाभाई के मार्गदर्शन में किया गया।

सगाई में ही दोनों पुत्रियों का विवाह कर समाज में आदर्श स्थापित करने के लिए महाराष्ट्र राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष समीर काज़ी, महाराष्ट्र राज्य काज़ी सेवा संघ के अध्यक्ष शफी काज़ी तथा समूचे काज़ी परिवार को सर्वत्र शुभकामनाएँ एवं बधाइयाँ दी जा रही हैं।

# एप्सटीन फाइल्स के खुलासों से भारत की विदेश नीति, राष्ट्रीय हित और सत्ता की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल: ज़ीनत शबरीन

मुंबई: एप्सटीन फाइल्स में सामने आए खुलासे और इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम का जुड़ना भारत के लिए अत्यंत गंभीर और चिंताजनक विषय है। इन खुलासों से न केवल भारत की वैश्विक साख प्रभावित हो रही है, बल्कि सरकार की निर्णय-प्रक्रिया, विदेश नीति और सत्ता की पारदर्शिता पर भी गंभीर प्रश्न खड़े हो गए हैं। ऐसे हालात में प्रधानमंत्री को नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए तत्काल इस्तीफा देना चाहिए-यह मांग मुंबई यूथ कांग्रेस की अध्यक्ष ज़ीनत शबरीन ने की।

एप्सटीन फाइल्स से जुड़े खुलासों के विरोध में मुंबई यूथ कांग्रेस की ओर से शहर में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शन ज़ीनत शबरीन के नेतृत्व में हुआ, जिसमें यूथ कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी और सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान मोदी सरकार के खिलाफ नारेबाज़ी की गई और सरकार से जवाबदेही की मांग की गई।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए ज़ीनत शबरीन ने कहा कि यह मामला केवल आरोपों तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत की राष्ट्रीय नीतियों पर बाहरी दबाव के आशंकाओं को भी मजबूत करता है। सवाल यह है कि क्या भारत की विदेश नीति, ऊर्जा और सुरक्षा से जुड़े फैसले स्वतंत्र, संस्थागत और राष्ट्रीय हित में लिए गए, या फिर इनके पीछे व्यक्तिगत अथवा राजनीतिक हित काम कर रहे थे। यदि सरकार के फैसले वास्तव में राष्ट्रीय हित में हैं, तो उसे पारदर्शी ढंग से स्पष्ट करना चाहिए कि ये निर्णय किन आधारों पर, किस प्रक्रिया से और किसके लाभ के लिए लिए गए।

उन्होंने कहा कि एप्सटीन फाइल्स के माध्यम से सामने आए तथ्यों ने सरकार की कार्यप्रणाली, निर्णय-प्रक्रिया और कूटनीतिक तंत्र पर गंभीर सवालिया निशान लगा दिए हैं। प्रधानमंत्री के विदेश दौरों में एक बदनाम वैश्विक अपराधी के संदर्भ और वैश्विक शक्ति केंद्रों तक पहुंच के लिए निजी उद्योगपतियों की कथित भूमिका, राष्ट्रीय गरिमा और संस्थागत कूटनीति पर सीधी चोट के समान है।

ज़ीनत शबरीन के अनुसार, इन खुलासों के परिप्रेक्ष्य में सरकार के हालिया रणनीतिक निर्णय और अधिक संदिग्ध प्रतीत होते हैं। चाबहार बंदरगाह जैसे महत्वपूर्ण परियोजना को कमजोर करना, रूस से सस्ती ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों से पीछे हटना और भारत की ऊर्जा नीति को अमेरिकी हितों के अनुरूप ढालना-ये सभी कदम राष्ट्रीय हित की बजाय बाहरी दबाव की ओर इशारा करते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसी स्थिति में सरकार की ओर से पूर्ण, पारदर्शी और विश्वसनीय स्पष्टीकरण अत्यंत आवश्यक है। देश की जनता को यह जानने का अधिकार है कि सत्ता में बैठे लोग राष्ट्रीय हितों की रक्षा को लेकर कितने गंभीर हैं और क्या निर्णय वास्तव में भारत के दीर्घकालिक हित में लिए जा रहे हैं।

पान १ वरून

**'पक्ष चलाते समय अजित दादा...**

बहन सुप्रिया सुले से रिश्ते बनाए रखना चाहते थे।

शरद पवार के दल को सीधे एनडीए में जाने का रास्ता मिलता, जिससे इंडिया गठबंधन को बड़ा झटका लगता। लेकिन परिवार एक नहीं होता। इसलिए दोनों तरफ से परिवार एक होना जरूरी था।

अजित पवार को पार्टी चलाने में मौजूदा राष्ट्रवादी के नेताओं से ज्यादा मदद नहीं मिल रही थी।

पुणे और पिंपरी चिंचवड हो या विधानसभा चुनाव, अजित पवार के दल के नेताओं ने उन्हें ज्यादा सहयोग नहीं किया।

---

**पत्थर से कुचलकर ३० वर्षीय युवक...**

हुई। मृतक के भांजे द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, बीती रात करीब ७ से ७:३० बजे के बीच चांद तांबोली ने फोन कर कहा था, मैं किसी काम से निरगुडी जा रहा हूं। तुम मेरी मोटरसाइकिल लेकर घर जाओ, मैं लौटकर तुम्हें फोन करता हूं।

इसके बाद करीब ८:३० बजे उसने फिर फोन कर कहा, मैं आ गया हूं, मुझे लेने आओ।

लेकिन इसके बाद उसका फोन नहीं लगा। देर रात तक संपर्क न होने पर परिजनों ने पाटोदा पुलिस थाने में मिसिंग की शिकायत दर्ज कराई थी।

घटनास्थल से मृतक का केवल एक मोबाइल फोन मिला है, जबकि उसके पास दो मोबाइल होने की जानकारी है। इसलिए दूसरे मोबाइल की तलाश के साथ ही हत्यारे की खोज भी जारी है, ऐसा पुलिस ने बताया।

पाटोदा पुलिस थाने के पुलिस निरीक्षक और संबंधित टीम फिलहाल मौके पर जांच कर रही है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज, संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियां और मृतक के मोबाइल कॉल रिकॉर्ड की जांच की जा रही है। हत्या किसने और क्यों की-इसका पता लगाने के लिए तकनीकी जांच के साथ स्थानीय स्तर पर पूछताछ भी शुरू कर दी गई है।

इस घटना से क्षेत्र में भय का माहौल बन गया है। स्थानीय नागरिकों ने दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है। पुलिस ने बताया कि आगे की जांच जारी है और शीघ्र ही अधिक जानकारी सामने आएगी।

# नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के दिवंगत राष्ट्रीय अध्यक्ष अजित दादा पवार की अस्थियों का धार्मिक विधि से विसर्जन

मुंबई: नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के दिवंगत राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित दादा पवार की अस्थियों का आज मुंबई डिविजनल नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी की ओर से धार्मिक विधि-विधान के साथ वालकेश्वर स्थित बाणगंगा तालाब में विसर्जन किया गया। हिंदू धार्मिक परंपराओं के अनुसार यह अस्थि विसर्जन पूरी श्रद्धा और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने 'अजित दादा अमर रहें' के नारे लगाते हुए अपने प्रिय नेता को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की। वातावरण शोकाकुल था और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भावुक नजर आए।

अस्थि विसर्जन कार्यक्रम में नेशनलिस्ट कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री नवाब मलिक, कार्यकारी अध्यक्ष शिवाजी राव नलावड़े, कार्यकारी अध्यक्ष सिद्धार्थ कांबले, विधायक सना मलिक शेख, पूर्व विधायक ज़ीशान सिद्दीकी, राज्य महासचिव संतोष

धुवाली, राज्य महासचिव संजय तटकरें, मुंबई उपाध्यक्ष कमान मलिक, राज्य महासचिव नरेंद्र राणे, जिला अध्यक्ष महेंद्र पांसरे, अजय विचारें, इंदरपाल सिंह, सुरेश भालेराव, महिला विंग की अध्यक्ष आरती सालवी, कार्यकारी अध्यक्ष मनीषा तोपे, ओबीसी सेल के मुंबई अध्यक्ष बबन मदने, को-ऑपरेटिव सेल के मुंबई अध्यक्ष नंदकुमार काटकर, मुंबई महासचिव दीपक पारडीवाला सहित सभी तालुका अध्यक्ष, महिला जिला अध्यक्ष, महिला तालुका अध्यक्ष तथा पार्टी के राज्य और मुंबई स्तर के पदाधिकारी व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

इस दौरान पार्टी नेताओं ने अजित दादा पवार की जनसेवा, अनुशासन और प्रगतिशील सोच को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अपने संपूर्ण राजनीतिक जीवन में जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। कार्यकर्ताओं ने यह संकल्प भी व्यक्त किया कि वे अजित दादा के विचारों और जनसेवा के मिशन को पूरी निष्ठा के साथ आगे बढ़ाते रहेंगे।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com